अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

वार्षिक साधारण सभा का कार्यवृत

18 सितंबर, 2022, केंद्रीय सम्मेलन सभागार, कोलकाता

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वार्षिक साधारण सभा रविवार, 18 सितंबर 2022 को सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के सभापतित्व में कोलकाता स्थित केंद्रीय सम्मेलन सभागार, कोलकाता में आयोजित की गयी।

बैठक में सदस्यों की उपस्थिति निम्नवत रहीः

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया	श्री सीताराम शर्मा	श्री प्रहलाद राय अगरवाला	श्री राम अवतार पोद्दार
श्री पवन कुमार गोयनका	श्री भानीराम सुरेका	श्री संजय हरलालका	श्री दामोदर प्रसाद विदावतका
श्री रतन शाह	श्री आत्माराम सोंथालिया	श्री शिव कुमार लोहिया	श्री कैलाश पति तोदी
श्री प्रह्लाद राय गोयनका	श्री पवन कुमार जालान	श्री अशोक पुरोहित	श्री इंद्र चंद बंसल
श्री नारायण प्रसाद डालमिया	श्री पियूष क्याल	श्री राजेश जैन	श्री रतन लाल अग्रवाल
श्री दिनेश जैन	श्री सांवरमल शर्मा	श्री शंभु कुमार मोदी	डॉ. सावर धनानिया
श्री शिव रतन फोगला	श्री मनमोहन गाड़ोदिया	श्री संजय शर्मा	श्री नरेंद्र प्रसाद मोदी
श्री नंदलाल सिघानिया	श्री ओम प्रकाश अग्रवाल	श्री नंद किशोर अग्रवाल	श्री पवन कुमार बंसल
श्री के एन गुप्ता	श्री टिकमचंद चंगाइवाला	श्री संजीव कुमार गुप्ता	श्री सिद्धांत जोशी
श्री निखिल शाह	श्री नवीन गोपालिका	श्री सुदेश कुमार पोद्दार	श्री देवकी सुरेका
श्री बृज मोहन धूत	श्री अशोक कुमार गुप्ता	श्री नवीन अग्रवाल	श्री शिव कुमार अग्रवाल
श्री प्रकाश किल्ला	श्री विष्णु अग्रवाल		

निम्नलिखित सदस्यों ने अनुपस्थिति की सूचना दीः

श्री नंद लाल रूंगटा	श्री संतोष सराफ	श्री बसंत कुमार मित्तल	श्री अशोक कुमार जालान
श्री विनय सरावगी	श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल	श्री विष्णु दयाल अग्रवाल	श्री दीपक बुचासिया
श्री अरूण प्रकाश मल्लावत	श्री किशन कुमार सोनी	श्री राज कुमार केडिया	श्री विनय कुमार सराफ

सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सबका स्वागत करते हुए सम्मेलन की वर्तमान गतिविधियों की संक्षेप में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मजबूत नींव पर ही भव्य भवन का निर्माण हो सकता है। मारवाड़ी समाज हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है एवं यह शिखर यात्रा निरन्तर जारी रहनी चाहिये। हमें सुंदर भविष्य का निर्माण करना है।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री प्रहलाद राय अग्रवाल ने कहा कि वार्षिक साधारण सभा में इतने सारे लोग पहुंचे हैं। यह अच्छा संकेत है। सम्मेलन दक्षिण भारत के सभी प्रांतों तक फैल चुका है, पर हमें रूकना नहीं है। सम्मेलन को और व्यापक रुपरेखा में बड़ा करना है, ताकि कभी भी कहीं भी समाज बंधुओं पर मुसीबत आये, किसी पर आंच आये तो हम सरकार एवं प्रशासन तक अविलम्ब अपनी बात रख सकें। सम्मेलन को आगे बढ़ाने के लिये स्वस्थ चर्चा करें ताकि सम्मेलन और ज्यादा मजबूत हो। आप सभी जानते हैं कि एकता में दम है। इसलिये आप सभी सम्मेलन से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ें । जोड़ने से ही सम्मेलन बढ़ेगा।

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने कहा कि आज भी बैठक लाभ प्रद है। इतने लोगों के विचारों का आदान प्रदान हुआ। यही सम्मेलन है। सम्मेलन का यही मानना है कि ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ें, सभी प्रांत जुड़ें । सम्मेलन की रोजगार सहायता उपसमिति के तहत हजारों बच्चों को नौकरियां दिलवाईं जा रही है। सम्मेलन की राजनैतिक उप समिति के तहत समाज की गरिमा बढ़ी है। श्री शर्मा ने कहा कि सम्मेलन का मूल सिद्धांत समाज सुधार है। हमें इससे भटकना नहीं है।

श्री राम अवतार पोद्दार ने कहा कि सदस्यता-विस्तार के साथ-साथ सदस्यों की सक्रियता भी बहुत जरूरी है क्योंकि इसी से हमारे भावी नेतृत्व की नींव पड़ती है। उन्होंने कहा कि समाज के विवाहयोग्य युवक-युवतियों का विवरण देती एक वेबसाईट की स्थापना करनी चाहिए जिससे अभिभावकों को विवाह हेतु पात्रों ने इन परिणामों को अत्यंत उत्साहवर्धक बताया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने गत बैठक का कार्यवृत और गत वर्ष के कार्यकलापों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जो सर्व सम्मति से पारित हुआ।

सम्मेलन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका ने वित्तीय सलाहकार समिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया के सहयोग से 2021-22 का आय-व्यय एवं संतुलन पत्र सभा पटल पर रखा। श्री मनमोहन गाडोंदिया ने ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि 26 अगस्त 2022 को आम सभा की सूचना के साथ आय-व्यय का लेखा-जोखा भेजा गया, जबकि 4 सितम्बर 2022 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में स्वीकृत हुआ; ऐसा नहीं होना चाहिए था। उसका जवाब देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि आम सभा के लिये 25 दिन पूर्व की सूचना अनिवार्य है इसलिये भूल हो गई, इस तकनीकि भूल को स्वीकार करते हुये भविष्य में सावधानी रखने की बात करते हुये सदस्यों से आय-व्यय के लेखा-जोखा पर चर्चा करने का अनुरोध किया। श्री मनमोहन गाड़ोदिया सहित सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने अध्यक्ष की भावना का समर्थन करते हुये आय-व्यय पर चर्चा करने पर सहमति व्यक्त की। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीतारामजी शर्मा ने चिकित्सा हेतु प्राप्त राशि 10000/- रुपये पर चर्चा करते हुये, इसके लिये राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की अनुमति लेकर ही चिकित्सा कोष बनाने की बात कही। उनके सुझाव के अनुसार इस हेतु प्राप्त 10000/- रुपये की राशि का कोष न बनाकर इस राशि को चिकित्सा सहायता में खर्च करने हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष को अधिकृत किया गया।

विस्तृत चर्चा के बाद आय-व्यय का ब्यौरा सभा में सर्व सम्मति से स्वीकृत किया गया।

सर्वसम्मति से अगली वार्षिक साधारण सभा तक के लिए मेसर्स सी. के. अग्रवाल एंड कंपनी को सम्मेलन का लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया ।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष **राष्ट्रीय महामंत्री**